आदि कर्मयोगी: उत्तरदायी शासन के लिए संपूर्ण राष्ट्र आंदोलन: 20 लाख जनजातीय परिवर्तन नेताओं के माध्यम से विकसित भारत का निर्माण

- आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बेंगलुरु में पहली क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (आरपीएल) का शुभारंभ हुआ।

- वर्ष 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए,प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, जनजातीय कार्य मंत्रालय ने, आदि कर्मयोगी - राष्ट्रीय उत्तरदायी शासन मिशन की पहली क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (आरपीएल) का शुभारंभ किया।
- इस अग्रणी पहल का उद्देश्य 20 लाख जनजातीय जमीनी कार्यकर्ताओं और ग्राम-स्तरीय परिवर्तनकारी नेताओं का एक गतिशील कैडर तैयार करना है, जो जनजातीय क्षेत्रों में समावेशी विकास को गति प्रदान करेंगे और अंतिम छोर तक सेवा वितरण को सुदृढ़ करेंगे।
- बेंगलुरु के होटल रॉयल ऑर्किड सेंट्रल में आयोजित आरपीएल इस महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय मिशन की परिचालन शुरुआत का प्रतीक है। यह एक रणनीतिक क्षमता निर्माण केन्द्र के रूप में कार्य करता है, जहाँ कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के राज्य मास्टर प्रशिक्षकों (एसएमटी) को प्रशिक्षण दिया जाता है।

जमीनी स्तर पर शासन की पुनर्कल्पना

- आदि कर्मयोगी एक कार्यक्रम से कहीं बढ़कर है—यह भारत के आदिवासी लोकाचार में निहित और स्थानीय समर्थकों के नेतृत्व में, नीचे से ऊपर तक शासन की पुनर्कल्पना करने के लिए एक कार्य-आह्वान है।

- पीएम-जनमन और दजगुआ जैसी प्रमुख पहलों के साथ, यह मिशन अभिसरण, समुदाय और क्षमता के स्तंभों पर निर्मित शासन नवाचार के अगले अध्याय का सूत्रपात करता है।
- यह आत्मा और संरचना दोनों के साथ शासन का प्रतिनिधित्व करता है - जहां आदिवासी युवाओं की आकांक्षाएं उत्तरदायी संस्थानों से मिलती हैं, और जहां नीति लोगों तक सम्मान, समयबद्धता और उद्देश्य के साथ पहुंचती है।

दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता के स्वर

- केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम ने कहा, "आदि कर्मयोगी जनजातीय भारत के लिए एक क्रांतिकारी परिवर्तनकारी कदम है। यह अंत्योदय की सच्ची अभिव्यक्ति- सेवा, संकल्प और समर्पण की भावना का प्रतिनिधित्व करता है बीस लाख परिवर्तनकारी नेताओं के इस दल के माध्यम से, हम अपने देश के सुदूरवर्ती कोनों में सम्मान, जवाबदेही और सेवा वितरण को संस्थागत रूप दे रहे हैं। इसी तरह जमीनी स्तर से लेकर ऊपर तक विकसित भारत का निर्माण होगा।"
- जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने कहा, "यह अभियान केवल शासन के बारे में नहीं है—यह हमारे जनजातीय समुदायों के गौरव, पहचान और आवाज़ को पुनर्स्थापित करने के बारे में है। प्रशिक्षित आदि कर्मयोगी आशा और परिवर्तन के वाहक बनेंगे।"

आदि कर्मयोगी: प्रत्येक हितधारक के लिए एक मिशन

- आदि कर्मयोगी मिशन, निचले स्तर से ऊपर की ओर दृष्टिकोण, वास्तविक समय पर शिकायत निवारण और सहयोगात्मक कार्यान्वयन के माध्यम से उत्तरदायी शासन को बढ़ावा देता है।
- यह जनजातीय कार्यों, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, जल शक्ति, स्कूली शिक्षा और वन सहित प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के बीच समन्वय पर आधारित है।
- बेंगलुरु स्थित क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (आरपीएल) एक व्यापक मॉडल के अंतर्गत कई क्षमता निर्माण केन्द्रों में से पहला है।
- यहाँ प्रशिक्षित एसएमटी राज्य प्रक्रिया प्रयोगशालाओं (एसपीएल) का नेतृत्व करेंगे, जो बदले में जिला मास्टर प्रशिक्षकों (डीएमटी) को प्रशिक्षित करेंगे।

- यह कार्यक्रम सहभागी शिक्षण और स्थानीय संदर्भीकरण को मज़बूत करने के लिए नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) को भी जोड़ता है।

आदिकारिता राष्ट्रीय सम्मेलन में परिवर्तन दूतों का सम्मान

- नवाचार, सेवा और प्रतिबद्धता को सम्मानित करने के लिए मंत्रालय शीघ्र ही "आदिकारिता राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन करेगा, जहां उत्कृष्ट एसएमटी और डीएमटी को भारत के जनजातीय सशक्तिकरण चैंपियन के रूप में मान्यता दी जाएगी - जो शासन परिवर्तन के सच्चे कर्मयोगी होंगे।

यूपीएससी मेंस प्रश्न:

- 1. "आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में समावेशी विकास और शासन परिवर्तन के लिए उठाए गए कदमों की चर्चा करें। इस अभियान का उद्देश्य, इसकी कार्यप्रणाली, और भारत के आदिवासी समुदायों के सशक्तिकरण में इसके योगदान का विश्लेषण करें।"